ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 25-07-2025

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2025-07-25 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2025-07-26	2025-07-27	2025-07-28	2025-07-29	2025-07-30
वर्षा (मिमी)	2.0	12.0	20.0	28.0	6.0
अधिकतम तापमान(से.)	36.0	35.0	33.2	30.0	32.0
न्यूनतम तापमान(से.)	27.0	26.0	26.0	25.0	26.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	73	76	83	86	80
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	43	48	54	66	52
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	3	7	9	8	6
पवन दिशा (डिग्री)	36	78	74	87	67
क्लाउड कवर (ओक्टा)	5	7	8	8	7
चेतावनी	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि	भारी वर्षा; आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि

पूर्वानुमान सारांश:

पिछले सप्ताह (18 से 24 जुलाई) क्षेत्र में 26.2 मिमी वर्षा हुई और अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 31.2 से 34.5oC और 24.1 से 27.6oC के बीच रहा। सुबह और शाम की सापेक्षिक आर्द्रता क्रमशः 77-94% और 58-78% के बीच रही, जबकि हवा पूर्व, दक्षिण, पश्चिम, पश्चिम-उत्तर-पश्चिम और उत्तर-पश्चिम से 1.6-10.5 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली। पिछले सप्ताह अधिकांश दिन साफ रहे। आगामी पूर्वानुमान के अनुसार 25-29 जुलाई के बीच हल्की बूंदाबांदी से लेकर 2-28 मिमी की मध्यम वर्षा हो सकती है और अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 30.0-36.0oC और 25.0-27.0oC के बीच रहने की उम्मीद है। हवा उत्तर-पूर्व-उत्तर, पूर्व-उत्तर, पूर्व, पूर्व-उत्तर-पूर्व दिशा से 3-9 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने की उम्मीद है। 27 और 29 जुलाई के लिए आंधी, बिजली, तूफान और तीव्र वर्षा के संबंध में पीली चेतावनी जारी की गई है, जबकि 28 जुलाई के लिए इसी प्रकार की आंधी के साथ भारी वर्षा की चेतावनी जारी की गई है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

28 जून को आंधी/बिजली/तीव्र वर्षा के साथ भारी वर्षा की चेतावनी।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

भारी वर्षा की स्थिति में जलभराव, बुवाई और रोपाई पर प्रभाव फसल वाले खेतों में उचित जल निकासी की व्यवस्था की जानी चाहिए, बुवाई और रोपाई साफ या हल्की वर्षा वाले दिनों में की जानी चाहिए।

सामान्य सलाहकार:

किसान और अन्य संबंधित समुदाय नियमित मौसम की जानकारी और वर्षा अलर्ट के लिए "मौसम" ऐप डाउनलोड कर सकते हैं। "मेघदूत" और "दामिनी" जैसे अन्य ऐप भी क्रमशः मौसम संबंधी और बिजली संबंधी आंकड़ों के नियमित अपडेट के लिए उपलब्ध हैं। सभी ऐप्स गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ता) से आसानी से डाउनलोड किए जा सकते हैं। विस्तारित अवधि का पूर्वानुमान 01.08.2025 से 07.08.2025 के दौरान सामान्य वर्षा, अधिकतम-न्यूनतम तापमान की प्रवृत्ति दर्शाता है।

लघु संदेश सलाहकार:

आईएमडी के अनुसार, 28 जून को भारी वर्षा होने की संभावना है, इसलिए खेत में उचित जल निकासी बनाए रखी जानी चाहिए और रोपाई/बुवाई का कार्य हल्की वर्षा वाले दिनों में किया जाना चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	रोपाई का काम 10 दिनों के भीतर पूरा कर लेना चाहिए और खेतों में खाली जगहों को भर देना चाहिए। इसके अलावा, पहले से रोपे गए चावल के लिए, उर्वरक और खरपतवारनाशक साफ़ मौसम में ही डाले जा सकते हैं। चावल के खेत में निराई-गुड़ाई 20 और 40 दिनों के अंतराल पर करनी चाहिए। यदि मजदूर उपलब्ध न हों, तो ब्यूटाक्लोर 50 ई.सी. 3 लीटर प्रति हेक्टेयर/एनिलोफॉस 30 ई.सी. 1.5 लीटर प्रति हेक्टेयर/ प्रेटिलाक्लोर 50 ई.सी. 1.5 लीटर प्रति हेक्टेयर को 500 लीटर पानी में मिलाकर रोपाई के 3 दिनों के भीतर डालना चाहिए। सभी रसायनों का प्रयोग साफ़ और हल्की वर्षा की स्थिति में ही करना चाहिए।
गन्ना	जलभराव की स्थिति में जल निकासी की उचित व्यवस्था करें और गन्ने की जड़ों में पर्याप्त मिट्टी चढ़ाएँ। जब फसल अच्छी बढ़वार पर हो, तो उसे 5 फीट की ऊँचाई पर बाँध दें। सभी कृषि कार्य हल्की वर्षा या शुष्क परिस्थितियों में ही करें।
मक्का	जलभराव से बचें। आखिरी महीने में बोई गई मक्का की फसल में निराई-गुड़ाई करें। फसल के लगभग 2 फीट की ऊँचाई पर पहुँच जाने पर यूरिया की टॉप ड्रेसिंग करें। सभी कृषि कार्य शुष्क या हल्की वर्षा वाले दिनों में करें।
मूँग	जैव-नियंत्रक ट्राइकोडर्मा पाउडर 5 ग्राम प्रति किग्रा की दर से उपचारित बीजों को राइजोबियम और पी.एस.बी. जैसे जैव-उर्वरकों के साथ 200 ग्राम प्रति 10 किग्रा बीज की दर से प्रयोग करना चाहिए। बुवाई शुष्क या हल्की वर्षा वाले दिनों में करनी चाहिए।
मूँगफली	मूंगफली में बुवाई के 15-20 दिन बाद निराई-गुड़ाई करनी चाहिए। रासायनिक विधि से खरपतवारों को नष्ट करने के लिए पेंडीमेथालिन 30 ई.सी. की 3.3 लीटर मात्रा या एलाक्लोर 50 ई.सी. की 4 लीटर मात्रा को 500-700 लीटर पानी में घोलकर बुवाई के बाद और खरपतवारों के अंकुरण से पहले छिड़कना चाहिए। कोई भी रासायनिक छिड़काव शुष्क दिनों में ही करना चाहिए।
तिल	तिल की बुवाई का उपयुक्त समय महीने का दूसरा पखवाड़ा है और बीज दर 3-4 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर होनी चाहिए। बीज जनित रोगों से बचाव के लिए बीजों को 2.5 ग्राम थायरम या कैप्टान प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करना चाहिए। बुवाई शुष्क या हल्की वर्षा वाले दिनों में करनी चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
मिर्च	जलभराव से होने वाले नुकसान से बचने के लिए मिर्च की रोपाई मेंड़ों पर करनी चाहिए, पंक्ति से पंक्ति और पौधे से पौधे की दूरी 50 सेमी होनी चाहिए। जल निकासी से बचें क्योंकि खेत में लगभग 24 घंटे तक अधिक पानी रहने से फसल सूख जाती है। रोपाई शुष्क और हल्की वर्षा वाले दिनों में करनी चाहिए।
टमाटर	वर्षा के बाद रोग लगने की संभावना रहती है, इसलिए विषाणु जनित रोगों को नियंत्रित करने के लिए संक्रमित पौधों को (जब मुरझाई हुई, गुठलीदार पत्तियाँ दिखाई दें) नष्ट कर दें और रस चूसने वाले कीटों को नियंत्रित करने के लिए सर्व-उद्देशीय कीटनाशकों का छिड़काव करें। झुलसा रोग के प्रकोप को

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
	रोकने के लिए मैंकोज़ेब 2.5 ग्राम प्रति लीटर या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 3.0 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। किसान भाइयों, छिड़काव शुष्क दिनों में करें।
गोभी	रोपी गई फसल में निराई-गुड़ाई अवश्य करें और खेत में जल निकासी की उचित व्यवस्था रखें। सभी कृषि कार्य शुष्क या हल्की वर्षा वाले दिनों में ही करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	जुलाई प्रसव का महीना है, इसलिए पशु के प्रसव के समय उन पर लगातार नज़र रखनी चाहिए और ब्याने के बाद अच्छी तरह से सफाई करनी चाहिए। गर्भाशय की सफाई के लिए यूट्रोटेन/हरिरा/ गाइनेटोन नामक दवाओं में से कोई भी एक दवा 200 मिली सुबह-शाम तीन दिन तक देनी चाहिए तथा टिल गर्भाशय की सफाई के लिए देनी । वर्षा ऋतु में पशुशाला की नियमित रूप से 2-3 बार सफाई करनी चाहिए।
गाय	जुलाई प्रसव का महीना है, इसलिए पशु के प्रसव के समय उन पर लगातार नज़र रखनी चाहिए और ब्याने के बाद अच्छी तरह से सफाई करनी चाहिए। गर्भाशय की सफाई के लिए यूट्रोटेन/हरिरा/ गाइनेटोन नामक दवाओं में से कोई भी एक दवा 200 मिली सुबह-शाम तीन दिन तक देनी चाहिए तथा टिल गर्भाशय की सफाई के लिए देनी । वर्षा ऋतु में पशुशाला की नियमित रूप से 2-3 बार सफाई करनी चाहिए।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

भारी वर्षा की स्थिति में जलभराव।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

उचित जल निकासी बनाए रखी जानी चाहिए।

Farmers are advised to download Unified ﷺ and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details/

Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details

Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details